BECC-132

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.सामान्य)
(BAG)

सत्रीय कार्य 2023–24

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–132

पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बीईसीसी-132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता हैः (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है। आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं।

इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-132ः व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास 31 मार्च, 2021 तक जमा करा देने चाहिए।

i) जुलाई 2023 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2024 है।

ii) जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2024 है।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।
   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :
   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;
   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और
   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी-132 : सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-132
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी. / टी.एम.ए. / 2023-24
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य–1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (प्रत्येक का) लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। 2x20=40

1. (क) अल्पाधिकार बाज़ार संरचना की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। उन कारणों को बताइये जिनसे इस प्रकार की बाज़ार संरचना का उदयन (emergence) होता है? **(10)**

   (ख) पॉल स्वीज़ी द्वारा प्रदत्त विकुंचित माँग वक्र सिद्धांत से संबंधित निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

   (i) माँग की कीमत लोच के विषय में अल्पाधिकार के माँग विकुंचित वक्र (kinked demand curve) की क्या मान्यता है? **(5)**

   (ii) इस मॉडल के तहत् सीमांत आगम वक्र के अनिरूतता आकृत्ति (discontinuous shape) पर टिप्पणी करें। **(5)**

2. (क) किसी देश को किसी वस्तु के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ तभी प्राप्त हो सकता है जबकि वह उस वस्तु को निरपेक्ष रूप से कम दक्षता स्तर पर पैदा कर रहा हो। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? उदाहरण देते हुए व्याख्या करें। **(12)**

   (ख) निम्नलिखित तालिका 1 पर विचार करें जिसमें वस्तु X तथा Y की उत्पादन करने में श्रम का समय (मिनटों में) दिया गया है :

   तालिका 1 : X तथा Y वस्तु की प्रति इकाई उत्पादन में A तथा B देश द्वारा श्रम समय (मिनटों में) की आवश्यकता

	वस्तु X	**वस्तु Y**
देश A	20	20
देश B	30	60

   (i) A तथा B देश में कौन-से देश को X के उत्पादन में तथा कौन-से देश को Y के उत्पादन में निरपेक्ष लाभ प्राप्त है। कारण दें। **(3)**

   (ii) A तथा B देश में से कौन-से देश को X वस्तु के उत्पादन में तथा कौन-से देश को Y वस्तु के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ प्रप्त है? कारण दें। **(3)**

   (iii) मान लीजिए कि व्यापार के उपरांत प्रत्येक देश उस वस्तु के उत्पादन में विशेषज्ञता प्राप्त करता है जिसमें इसे तुलनात्मक लाभ है, कौन-सा देश X वस्तु के उत्पादन में विशेषज्ञता करना चाहेगा? **(2)**

सत्रीय कार्य–2

निम्नलिखित मध्यम उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग (प्रत्येक का) 250 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं। 3x10=30

3. संसाधनों के परेटो अनुकूलतम आवंटन से क्या आशय है? क्या पूर्ण प्रतियोगी बाज़ार का संतुलन परेटो दक्ष होता है? उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर व्याख्या करें। **(10)**

4. उपयुक्त रेखाचित्र का प्रयोग कर यह प्रदर्शित करें कि भूमि बाज़ार में मांग एवं पूर्ति वक्र की अंतःक्रिया (interaction) किस प्रकार संतुलित स्तर पर लगान का निर्धारण करती है? **(10)**

5. सरकारी हस्तक्षेपों के उन रूपों की विवेचना करें जिनका लक्ष्य बाह्यताओं (externalities) का आंतरीकरण (internalisation) करना होता है। **(10)**

सत्रीय कार्य–3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (प्रयेक का) लगभग 100 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। 5x6=30

6. जोसेफ शुम्पीटर (Joseph Schumpeter) के लगान सिद्धांत की विवेचना करें।

7. 'आभासी लगान की अवधारणा अन्य उत्पत्ति के साधनों के लिए रिकार्डियन (Ricardian) लगान की अवधारणा का ही विस्तार है' – विवेचना करें।

8. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के तहत् दीर्घकालीन संतुलन से जुड़ी अतिरेक क्षमता की अवधारणा की चर्चा कीजिए।

9. भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्व व्यापार संगठन का क्या प्रभाव रहा है?

10. किसी साधन लागत की व्युत्पन्न माँग से क्या आशय है?